Vol 4 Issue 10 Nov 2014

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.org

Indian Streams Research Journal
ISSN 2230-7850
Impact Factor : 2.1506(UIF)
Volume-4 | Issue-10 | Nov-2014
Available online at www.isrj.org

श्रीगंगानगर जिले की जनसंख्या वृद्धि

सुनील कुमार वर्मा

सारांश– जनसंख्या संरचना नगरीय अभिवृद्धि केन्द्रों के कार्यात्मक पक्ष को प्रदर्शित करती है। नगरीय केन्द्र द्वितीयक और तृतीयक व्यवसायों के केन्द्र होते हैं। यहाँ कार्यशील जनसंख्या का अधिकांश भाग इन व्यवसायों से सम्बन्धित होता है तथा यह नगरीय अभिवृद्धि केन्द्रों की पहचान में सहायक होता है। छोटे केन्द्रीय स्थान तथा सेवा केन्द्रों में कार्यशील जनसंख्या का अधिकांश भाग प्राथमिक व्यवसायों से सम्बन्धित होता है।

प्रस्तावना–

यद्यपि अध्ययन क्षेत्र के अधिकांश अभिवृद्धि केन्द्रों में कार्यशील जनसंख्या का कुछ भाग प्राथमिक व्यवसायों से भी सम्बन्धित है। नहरी क्षेत्र में स्थित अध्ययन क्षेत्र के अभिवृद्धि केन्द्रों में इसका प्रतिशत अधिक है। यह नहरी क्षेत्र के आबाद गांवों में भौतिक सुविधाओं के अल्प विकास के कारण है।

जनसंख्या वृद्धि

श्रीगंगानगर जिले की जनसंख्या में २० वीं शताब्दी में अनेक परिवर्तन हुए हैं। शुष्क मरूस्थलीय पारिस्थितिकी के इस अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या की वृद्धि और जनसंख्या का क्षेत्रीय वितरण भौतिक कारकों से प्रभावित रहा है। लेकिन वर्ष १९२७ में गंग नहर तथा १९७१ में इन्दिरा गांधी नहर के निर्माण और सिंचाई सुविधाओं में विकास के उपरान्त अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि दर अंकित की गयी है। अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि अधिकाशतः कृषि योग्य भूमि के आवंटन के कारण समीपवर्ती जिलों व राज्यों से जनसंख्या प्रवास तथा कृषि विकास से द्वितीयक और तृतीयक व्यवसायों के विकास का परिणाम है। इन क्रियाओं ने अध्ययन क्षेत्र में नये अधिवासों के विकास तथा उनमें औद्योगिक वाणिज्य क्रियाओं की स्थापना तथा पुराने अधिवासों पर कार्यिक विभिन्नता की वृद्धि में सहायता की है।

अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है–

श्रीगंगानगर जिला : नगरीय अभिवृद्धि केन्द्रों में जनसंख्या वृद्धि

vfHkof) dUn	tux.kuk o"k						vfHkof) dUnk dh dy tul[;k ¼2001½ dk ifr'kr
	1951	**1961**	**1971**	**1981**	**1991**	**2001**	
xxkuxj	36437	63854	90042	123692	161482	222858	50.37
		(+75.24)	(+41.01)	(+37.37)	(+30.55)	(+38.00)	
l jrx<	6554	8330	17843	29815	45870	61639	13.93
		(+27.10)	(+114.20)	(+67.10)	(+53.85)	(+34.37)	
dj.kij	8385	11551	11538	15252	18231	20694	4.68
		(-37.76)	(+0.11)	(+32.19)	(+19.53)	(+13.50)	
jk;flg uxj	5101	9493	10977	17069	22894	27736	6.27
		(+86.10)	(+15.63)	(+55.50)	(+34.13)	(+21.14)	
lkny 'kgj		-	7648	12668	17702	22326	5.05
				(+65.64)	(+39.74)	(+26.12)	
ineij		-	6359	10734	13368	16956	3.83
				(+68.80)	(+24.54)	(+26.84)	
vuix<	1612	2294	4571	12997	21194	29565	6.68
		(+42.31)	(+99.26)	(+184.34)	(+63.07)	(+39.49)	
xtflg ij	2940	4681	4475	6573	7884	9630	2.18
		(+59.22)	(-4.40)	(+46.88)	(+19.95)	(+22.14)	
dljh flgij		-		9738	11751	13155	2.97
					(+20.67)	(+11.94)	
fot; uxj		-		11674	13813	17873	4.07
					(+18.32)	(+29.39)	

स्त्रोतः जिला सांख्यिकी रूपरेखा, २००६, जिला श्रीगंगानगर, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, राजस्थान, जयपुर

जनसंख्या वृद्धि का धीमा काल

जनगणना वर्ष १६०१ से १६३१ तक के काल में अध्ययन जिले में जनसंख्या में धीमी वृद्धि हुई है। वर्ष १६०१ की तुलना में वर्ष १६११ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन धनात्मक ४३.६६ रहा। लेकिन वर्ष १६११ की तुलना में वर्ष १६२१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन ऋणात्मक १७.२१ रहा। यद्यपि वर्ष १६२१–१६३१ में यह बढ़कर १०२.४६ प्रतिशत हो गया। इस काल में मरूस्थलीय क्षेत्र में जलाभाव व भौतिक बाधाओं के अतिरिक्त निम्न श्रेणी की स्वास्थ्य सेवाएं, परिवहन साधनों का अभाव तथा उच्च मृत्यु दर ने भी जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित किया। इससे वार्षिक वृद्धि की प्रतिशत दर ७.३ ही रही। इस अवधि में जनसंख्या का केन्द्रीयकरण गंगानगर और समीपवर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित था।

जनसंख्या वृद्धि का मध्यम काल

वर्ष १६३१ से वर्ष १६७१ तक का समय मध्यम जनसंख्या वृद्धि का रहा है। इस अवधि में वर्ष १६३१ की तुलना में वर्ष १६४१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन () ५४.५८, दशाब्दी वर्ष १६४१–१६५१ में () १८.०१ , १६५१–६१ में () ६४.६४ तथा दशाब्दी वर्ष १६६१–७१ में () ३४.३७ प्रतिशत रहा। जबकि इस अवधि में वार्षिक वृद्धि की प्रतिशत दर क्रमशः (), ४.४, () १.६, () ५.२ और () ३.० रही। इस अवधि में भी भौतिक बाधाओं के अतिरिक्त आर्थिक विकास का न्यून स्तर तथा देश की स्वतंत्रता के बाद

जनसंख्या प्रवास आदि कारकों ने जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित किया।

जनसंख्या वृद्धि की तीव्र काल

वर्ष १९७१ से वर्तमान तक के समय में अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि दर अंकित की गयी है। इस अवधि में अध्ययन क्षेत्र में इन्दिरा गांधी नहर और इसकी शाखाओं व प्रशाखाओं का निर्माण कर सिंचाई प्रारम्भ की गयी। इससे अध्ययन क्षेत्र के पश्चिमी जनशून्य भाग में नये अधिवासों की स्थापना हुई। संरचनात्मक सुविधाओं का विकास और उनकी गहनता में वृद्धि के साथ द्वितीयक और तृतीयक सेवाओं में वृद्धि का प्रभाव जनसंख्या वृद्धि दर पर हुआ। इसके साथ सड़क मार्गों के विकास से जनसंख्या की अन्तर्क्रिया में भी वृद्धि हुई (आरेख ४.१) वर्ष १९७१ में श्रीगंगानगर जिले की जनसंख्या १३९४०११ थी। यह वर्ष १९८१ में बढ़कर २०२९६६८ हो गयी। इस तरह इस दशाब्दी में प्रतिशत विचलन में ४५.६२ वृद्धि हुई। यह वृद्धि राज्य के सभी जिलों की तुलना में अधिक थी। वर्ष १९९१ में जनसंख्या १४०२४४४ तथा वर्ष २००१ में यह १७८९४२३ हो गयी। इस तरह वर्ष १९९१-२००१ में जनसंख्या में दशाब्दी प्रतिशत विचलन २७.५९ रही (सारणी ४.१)। इस अवधि में नहर क्षेत्र में नये नगरीय अभिवृद्धि केन्द्रों का तीव्रता से विकास हुआ।

श्रीगंगानगर जिलाः जनसंख्या वृद्धि और उसकी प्रवृत्तियाँ

tux.kuk o"k	i:"k	L=h	dy tul[;k	n'kkCnh ifr'kr fopyu	Okkf"kd ifr'kr of) nj
1901	74589	68853	143442	&	&
1911	114676	91392	206068	43-66	3-7
1921	94935	75658	170593	- 17-21	1-9
1931	192237	153199	345436	102-49	7-3
1941	294396	239578	533974	54-58	4-4
1951	343192	286938	630130	18-01	1-6
1961	563231	474192	1037423	64-64	5-2
1971	743892	650119	1394011	34-37	3-0
1981	1083134	946834	2029968	45-62	3-9
1991	751928	650516	1402444	&	&
2001	955378	834045	1789423	27-59	2-4

टिप्पणीः– वर्ष १९८१ तक हनुमानगढ़ जिला सम्मिलित है।
स्त्रोतः जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, २००९, जिला श्रीगंगानगर, आर्थिक एवं सांख्यिकीय निदेशालय, राजस्थान, जयपुर

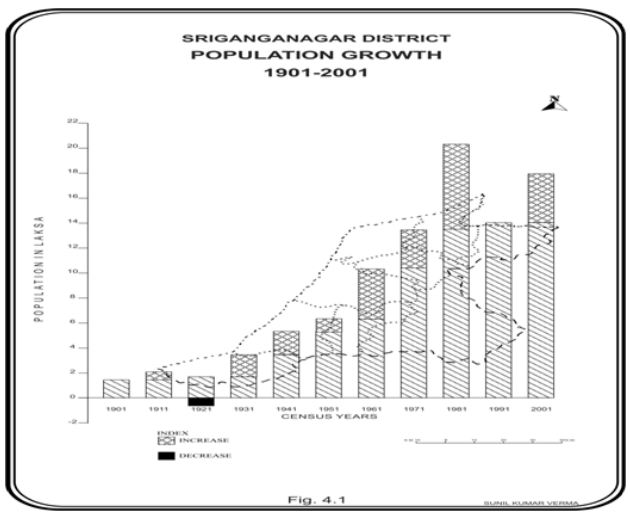

तहसील के अनुसार जनसंख्या वृद्धि

तहसील अनुसार जनसंख्या की दृष्टि से गंगानगर तहसील अध्ययन क्षेत्र की सबसे बड़ी तहसील है। इस तहसील में अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या का २३.७१ प्रतिशत निवास करता है। गंगानगर शहर इस तहसील में स्थित होने से कुल तहसील की जनसंख्या में ५२.५४ प्रतिशत नगरीय जनसंख्या तथा ४७.४६ प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या है। इस तहसील में वर्ष १९७१ की तुलना में वर्ष १९८१ में () ३०.८१ तथा वर्ष १९८१ की तुलना में वर्ष १९९१ में () २३.२७ प्रतिशत दशाब्दी विचलन अंकित किया गया। दशाब्दी वर्ष १९९१–२००१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन () २३.०० अंकित किया गया(सारणी ४.२)।

नहरी सिचाई का विकास सूरतगढ़ तहसील की जनसंख्या वृद्धि पर भी स्पष्ट है। इस तहसील के कुछ भागों में नवाचारों के विसरण से नलकूपों व कुओं द्वारा उन्नत कृषि की जाने लगी है। इससे यहाँ जनसंख्या की तीव्र वृद्धि परिलक्षित होती है। इस तहसील में वर्ष १९७१–८१, वर्ष १९८१–९१ व वर्ष १९९१–२००१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन क्रमशः () ५६.१२, (.) १७.४९ और () ३५.५६ अंकित किया गया। नहरों का निर्माण पूर्ण होने पर जनसंख्या में वृद्धि प्रवृत्ति तीव्र होगी तथा नये नगरीय अभिवृद्धि केन्द्रों का विकास होगा।

रायसिंहनगर तहसील में भी नहरी सिंचाई सुविधा विकास से तीव्र जनसंख्या वृद्धि हुई है। इससे दशाब्दी वर्ष १९७१–८१ में जनसंख्या का प्रतिशत विचलन () ३८.४५ रहा। जबकि वर्ष १९८१–९१ व वर्ष १९८१–२००१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन क्रमशः () १६.०८ व () २१.९७ अंकित किया गया।

अनूपगढ़ तहसील में अध्ययन क्षेत्र की ९.७५ प्रतिशत (वर्ष २००१) जनसंख्या निवास करती है। नहर सिंचित क्षेत्र की परिधि पर स्थित इस तहसील में कृषि क्षेत्र में नवाचारों का विसरण अधिक हुआ है। भूमिगत जल के दोहन से कुछ क्षेत्रों में उन्नत कृषि की जाती है। यहाँ प्रारम्भ से ही जनसंख्या का जमाव रहा है। इस तहसील में दशाब्दी वर्ष १९७१–८१, १९८१–९१ और १९९१–२००१ में प्रतिशत विचलन () १५४.०२ (.), ३८.५४ और () ४१.१८ अंकित किया गया।

करणपुर तहसील का विकास नहरी सिंचाई विकास के बाद प्रारम्भ हुआ। यहाँ अध्ययन क्षेत्र की ७.६५ प्रतिशत (वर्ष २००१) जनसंख्या निवास करती है। इस तहसील की अर्थव्यवस्था भी कृषि व पशुपालन पर आधारित है। वर्ष २००१ की जनगणना में इस तहसील की जनसंख्या १३६९४३ अंकित की गयी। इस तहसील में वर्ष १९७१–८१, वर्ष १९८१–९१ व वर्ष १९९१–२००१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन क्रमशः () २०.१२, () ७.०० और () १२.०९ अंकित किया गया।

सादुलशहर तहसील में अध्ययन क्षेत्र की ८.०५ प्रतिशत (वर्ष २००१) जनसंख्या निवास करती है। वर्ष २००१ की जनगणना में यहाँ १४४१२४ जनसंख्या निवास करती है। वर्ष २००१ की जनगणना में यहाँ १४४१२४ जनसंख्या अंकित की गयी। सादुलशहर तहसील में वर्ष १९७१-८१, वर्ष १९८१-९१ व वर्ष १९९१-२००१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन क्रमशः () ४३.५९, () २७.२३ और () १५.७० अंकित किया गया। नहर सिंचित क्षेत्र की परिधि पर स्थित इस तहसील में कृषि क्षेत्र में नवाचारों का विसरण अधिक हुआ है।

पदमपुर तहसील की अर्थव्यवस्था कृषि व पशुपालन पर आधारित है। वर्ष २००१ की जनगणना में इस तहसील की जनसंख्या १४७९४८ अंकित की गयी। यह अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या ८.२७ प्रतिशत है। यहाँ दशाब्दी वर्ष १९७१-८१ में जनसंख्या का प्रतिशत विचलन () २५.०१ रहा। लेकिन १९८१-९१ और १९९१-२००१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन () ९.०४ और () १९.३८ अंकित किया गया।

घड़साना और विजयनगर तहसीलों की स्थापना १९८१ के बाद की गयी है। वर्ष २००१ में घड़साना व विजयनगर की जनसंख्या १७५९८७ और १२५७०९ अंकित की गयी है, जो अध्ययन क्षेत्र का ९.८३ और ७.०३ प्रतिशत है। घड़साना व विजयनगर में वर्ष १९९१-२००१ में दशाब्दी प्रतिशत विचलन () ५७.५६ और () ३३.९२ अंकित किया गया।

REFERENCES

1.Mandal, R.B. (1975) : Central Place Hierarchy in Bihar Plain, National Geographical Journal of India, XXI
2.Government of India (1977), Basic Animals Husbandry Statistics, 1997, Ministry of Agriculture Department of Animal Husbandry and Dairying Agriculture Building, New Delhi, 3 Sep
3.Census of India, Series 9, Rajasthan, Provisional Population Totals, Papers of 2001, Rural Urban Distribution of Population Directorate of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, 30 July, 2001
4.Sharma, H.S & Sharma, M.L. (2010), Geography of Rajasthan, Panchsheel Prakashan, Jaipur
5.Sharma, R.N. & Sita, K. (2001), Issues in Urban Development : A Case of Navi Mumbai, Rawat Pub., Jaipur
6.Prakasha Rao, V.L.S. & Tiwari V.K. , The Structure of An Indian Metropolis : A Study of Banglore, Allied Publishers, New Delhi

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.org